प्रकाशनार्थ

पटना, 31 अक्टूबर। सिक्की हस्तशिल्प के उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, हालांकि सिक्की कलाकारों की संख्या अभी भी बहुत कम है। बिहार को इन बहुमूल्य उत्पादों का देश-विदेश में सीधा मार्केटिंग करना चाहिए। यह विचार पटना शहर में स्तिथ बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक, श्री अशोक कुमार सिन्हा, ने व्यक्त किए| वह "सिक्की कला और डिज़ाइन के प्रचार हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम' के दूसरे बैच के प्रशिक्षण का शुभारंभ कर रहे थे। यह 10-दिवसीय कार्यक्रम एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) के EIACP-CSEC केंद्र द्वारा आयोजित किया गया है। CSEC केंद्र आद्री की जलवायु संकट से निपटने वाली इकाई है | इसे भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) का समर्थन प्राप्त है |

श्री सिन्हा ने जापान के टोकियो हासेगावा के अनुकरणीय प्रयासों का उल्लेख किया| हासेगावा ने जापान में मिथिला म्यूज़ियम की स्थापना की है जहाँ बिहार की कला के 4,000 से अधिक नमूने संरक्षित हैं। यह कला संग्राहक वर्षों से बिहारी कलाकारों को जापान आमंत्रित करते आए हैं, जिससे कि बिहार को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त हुई है। उन्होंने उपस्थित प्रशिक्षुओं से सिक्की उत्पादों को बनाने समय नवाचार लाने का आग्रह किया और आगे आने वाले समय में अतिरिक्त प्रशिक्षण देने का आश्वासन भी दिया।

EIACP की समन्वयक डॉ. मौसुमी गुप्ता ने प्रतिभागियों को सिक्की के मार्केटिंग में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और निरंतर प्रयासरत रहने का आग्रह किया। आद्री की सदस्य-सचिव डॉ. अश्मिता गुप्ता ने बिहार संग्रहालय की सराहना करते हुए कहा कि यह संग्रहालय बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यकम महिलाओं को सशक्त बना रहा है और आजीविका के अवसर भी पैदा कर रहा है| साथ ही पर्यावरण से अनुकूल उत्पादों को भी प्रोत्साहित कर रहा है | यह सभी के लिए लाभकारी स्थिति है।

EIACP के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. सुनील कुमार गुप्ता ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने बताया कि सिक्की बनाने की परंपरा अत्यंत प्राचीन है और इसकी उत्पत्ति मिथिलांचल क्षेत्र से हुई है|

अध्ययन ब्रिज कंसल्टिंग की सुश्री आस्था ने भी प्रशिक्षुओं को सिक्की कला में नवीनता लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस प्राचीन परंपरा का संरक्षण उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगा। लगभग 50 प्रतिभागी इस अवसर पर उपस्थित थे। आद्री की सुश्री पूजा कुमारी, गुलशन पटेल और मौसम बहार ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

(अभिषेक प्रसाद)